डीएवीपी /(केन्द्र सरकार)/ उ.प्र सरकार से विज्ञापनों तथा अदालती विज्ञापनों / समन के लिए मान्यता प्राप्त

दैनिक

पश्चिमांचल दर्शन

सच के साथ आपके हाथ

E-mail: pdmzn2000@gmail.com

मुजफ्फरनगर, रविवार 14 जनवरी 2024

वर्ष 24 अंक 328 | पौष शुक्ल पक्ष 1 विक्रमी सम्वत् 2080 | 1 रजब 1445 हिजरी | पृष्ठ 8 | मूल्य 1.00 रुपया

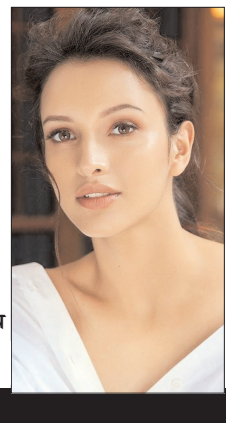

तृप्ति डिमरी ने किया खूबसूरत रैंप वॉक

संक्षिप्त समाचार

प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका प्रभा अत्रे का निधन

मुंबई। प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका प्रभा अत्रे का शनिवार को महाराष्ट्र में पुणे के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 91 वर्ष की थी। उनके पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि सांस लेने में दिक्कतों के कारण उन्हें शनिवार सुबह एक निजी अस्पताल ले जाते समय दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। सुश्री अत्रे को 1990 में पद्मश्री , 2002 में पद्म भूषण और 2022 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके साथ ही उन्हें कई अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया था। उनकी ख्याल, ठुमरी, ग़ज़ल, भजन नाट्यसंगीत और दादरी की प्रस्तुति उत्कृष्ट रही। उन्होंने संगीत रचना, 'स्वरांगिनी' और 'स्वरंजनी' पुस्तकें भी लिखी है। उन्हें 'अपूर्व कल्याण', 'मधुर कौन्स', 'दरबारी कौन्स', 'पटदीप-मल्हार', शिव काली', 'तिलंग-भैरव', और 'रवि भैरव' जैसे नए रागों की खोज का श्रेय दिया जाता है।

सीमा सड़क संगठन के श्रमिकों का 10 लाख रुपये का बीमा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन और जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स की ओर से विभिन्न परियोजना कार्यों के लिए नियोजित आकस्मिक भुगतान वाले श्रमिकों (सीपीएल) को 10 लाख रुपये की बीमा सुविधा के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। समूह (टर्म) बीमा योजना के तहत आकस्मिक भुगतान वाले श्रमिकों की किसी भी प्रकार की मृत्यु पर उनके परिवार या निकट संबंधियों को बीमा के रूप में 10 लाख रुपये मूल्य की बीमा राशि प्रदान की जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक वक्तव्य में कहा कि खतरनाक कार्य स्थलों, खराब मौसम, दुर्गम इलाकों और पेशे की वजह से उत्पन्न होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरे वाली स्थितियों में तैनात सीपीएल के जीवन के गंभीर जोखिम को ध्यान में रखते हुए और उनके नियोजन काल के दौरान हुई मौतों पर विचार करते हुए मानवीय आधार पर बीमा कवरेज का प्रावधान सीपीएल के लिए मनोबल बढ़ाने वाला एक ठोस कदम साबित होगा। यह योजना देश के भीतरी और दूर-दराज के इलाकों में काम करने वाले सीपीएल के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण से जुड़े एक उपाय के रूप में काम करेगी। इससे उनके परिवारों की आजीविका सुरक्षित करने में काफी मदद मिलेगी।

एचपीवी टीकाकरण पर कोई निर्णय नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि एचपीवी टीकाकरण शुरू करने का अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मंत्रालय ने यहां बताया कि 9-14 वर्ष आयु वर्ग की लड़कियों के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू करने संबंधित समाचार गलत और असत्य हैं और ये पूरी तरह से अटकलें हैं।

नौसेना के चीता गुलदार और कुंभीर युद्धपोत सेवामुक्त

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के युद्धपोत चीता, गुलदार और कुंभीर को राष्ट्र की चार दशकों तक गौरवशाली सेवा के बाद सेवामुक्त कर दिया गया। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इन जहाजों को कार्य मुक्त करने का कार्यक्रम शुक्रवार को पोर्ट ब्लेयर में एक पारंपरिक समारोह में आयोजित किया गया था, जिसमें सूर्यास्त के समय राष्ट्रीय ध्वज, नौसेना पताका और तीन जहाजों के डीकमीशनिंग प्रतीक को अंतिम बार नीचे उतारा गया। आईएनएस चीता, गुलदार और कुंभीर को पोलैंड के ग्डिनिया शिपयार्ड में पोल्नोक्नी श्रेणी के ऐसे जहाजों के रूप में तैयार किया गया था, जो टैंकों, वाहनों, कार्गो तथा सैनिकों को सीधे कम ढलान वाले समुद्र तट पर बिना गोदी के पहुंचा सकते थे। इन युद्धपोतों को क्रमशः वर्ष 1984, 1985 और 1986 में पोलैंड में भारत के तत्कालीन राजदूत एस के अरोड़ा (चीता एवं गुलदार) तथा एके दास (कुंभीर) की उपस्थिति में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

खड़गे को चेयरपर्सन बनाने पर सहमति, फिलहाल घोषणा टली

शरद पवार बोले- संयोजक की जरूरत नहीं, पार्टी प्रमुखों की बनेगी एक टीम

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया की वर्चुअल बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को चेयरपर्सन बनाया गया है। अभी आधिकारिक घोषणा बाकी है। वहीं संयोजक की नियुक्ति न करने पर सहमति बनी है।

मीटिंग खत्म करने के बाद पुणे में शरद पवार ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के सदस्यों के बीच संयोजक की नियुक्ति को लेकर कोई विवाद नहीं है। मीटिंग में नीतीश कुमार का नाम संयोजक के लिए सुझाया गया था। बाद में सहमति बनी कि पार्टी प्रमुखों की एक टीम बनाई जानी चाहिए। संयोजक नियुक्त करने की जरूरत नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन बिहार के सीएम ने मना कर दिया। इसकी पुष्टि बिहार के मंत्री संजय झा ने भी की। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में सीटों के बंटवारे पर भी चर्चा हुई। लोकसभा चुनाव को लेकर पवार ने कहा कि गठबंधन को वोट मांगने के लिए किसी एक चेहरे को पेश करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि नेता कोई भी हो सकता है। यह इलेक्शन रिजल्ट घोषित होने के बाद चुना जाएगा। 28 दलों के इस गठबंधन में सिर्फ नौ पार्टियां ही वर्चुअल बैठक में शामिल हुईं। मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, लालू यादव और तेजस्वी यादव (राजद), बिहार के सीएम नीतीश कुमार (जदयू), दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (आप), उमर अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस), सीताराम येचुरी (सीपीआई-एम), डी राजा (सीपीआई), शरद पवार (एनसीपी-शरद पवार) और डीएमके की तरफ से तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन जुड़े। तृणमूल प्रमुख और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव मीटिंग में शामिल नहीं हुए। सीट शेयरिंग के मुद्दे पर ममता ने पहले से ही कांग्रेस से दूरी बना रखी है। वह कांग्रेस को बंगाल में दो सीटें देने पर अड़ी हैं। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने शनिवार को ऑनलाइन मुलाकात की और गठबंधन पर सार्थक चर्चा की। हर कोई इस बात से खुश है कि सीट बंटवारे पर बातचीत सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। हमने सभी दलों को अपनी सुविधानुसार भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल शनिवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने उनके घर पहुंचे। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल शनिवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने उनके घर पहुंचे। दोनों की मुलाकात के दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि 'आप' और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत हो सकती है। उधर बैठक में शामिल नहीं होने पर तृणमूल सूत्रों ने कहा कि उन्हें बैठक की जानकारी काफी देर से मिली और ममता के कार्यक्रम पहले से तय थे। इसलिए वह बैठक में शामिल नहीं हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ये बैठक कुछ दिन पहले होनी थी, लेकिन किसी वजह से ऐन मौके पर रद्द हो गई थी। ये पहला मौका नहीं है, जब ममता बनर्जी ने बैठक में आने से इन्कार किया है। दिसम्बर 2023 में भी ममता गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। तब उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने बैठक की जानकारी दो दिन पहले दी। ऐसे में मैं पहले से तय अपने कार्यक्रम रद्द नहीं कर सकतीं। स्थिति को देखकर लग रहा है कि भाजपा से टक्कर लेने के लिए बने इंडिया के 28 दलों के बीच सीट शेयरिंग बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। गठबंधन में शामिल कई पार्टियों के नेता ऐसे बयान दे चुके हैं, जिससे साफ है कि वे पार्टी के प्रभाव वाले राज्यों में सीटों के मुद्दे पर समझौता नहीं करेंगे।

- मीटिंग में नौ विपक्षी दल हुए शामिल, अखिलेश, ममता व उद्धव नहीं जुड़े
- 28 दलों के गठबंधन में सिर्फ नौ पार्टियां ही वर्चुअल बैठक में हुईं शामिल

वर्चुअल गठबंधन सिर्फ वर्चुअल मीटिंग ही करेगाः नड्डा

इंडिया गठबंधन की वर्चुअल मीटिंग को लेकर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जब मैंने शनिवार को इंडी गठबंधन की बैठक के बारे में सुना, तो मैंने पूछा कि बैठक कहां हो रही है और पता चला कि यह एक वर्चुअल बैठक है। वर्चुअल गठबंधन सिर्फ वर्चुअल मीटिंग ही करेगा। इससे ज्यादा वे कुछ नहीं कर सकते। ममता बनर्जी ने 28 दिसम्बर को राज्य में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की। उत्तर 24 परगना में एक रैली के दौरान ममता ने कहा कि हमें भाजपा को सबक सिखाना है, किसी अन्य पार्टी को नहीं। बंगाल में टीएमसी की सीधी टक्कर भाजपा से है। सीट शेयरिंग के मुद्दे पर सभी पार्टियों से खुले मन से बात की जाएगी।

नाबालिग से रेप के आरोपी को राहत

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहाः दोनों के बीच प्रेम संबंध था

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 13 साल की लड़की से रेप के आरोपी महाराष्ट्र के 26 साल के लड़के को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा है कि दोनों का अफेयर चल रहा था। उनके बीच शारीरिक संबंध प्रेम के चलते था, वासना के चलते नहीं।

हाईकोर्ट जज उर्मिला जोशी-फाल्के ने कहा कि लड़की भले ही नाबालिग थी, लेकिन उसने पुलिस को बताया था कि वह अपनी मर्जी से अपना घर छोड़कर आरोपी नितिन धाबेराव के साथ रहने गई थी। इसके अलावा हमें ये भी देखना होगा कि आरोपी की उम्र भी सिर्फ 26 साल है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि ऐसा लगता है कि जिस सेक्शुअल रिलेशनशिप की यहां बात हो रही है, वह दो लोगों के बीच आकर्षण के चलते हुआ, न कि लड़के ने अपनी वासना के चलते विक्टिम के साथ जोर-जबरदस्ती की। अगस्त 2020 में लड़की के पिता ने लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई थी। जब पुलिस ने लड़की को ढूंढ निकाला, तो उसने बताया कि वह आरोपी के साथ रिलेशनशिप में है, इसलिए अपना घर छोड़ आई है। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उससे शादी करने का भी वादा किया था इसलिए वह घर से गहने और रुपये चुराकर भागी थी और उसके साथ रह रही है।

- लड़के की उम्र भी महज 26 साल है, लड़की अपनी मर्जी से रिलेशनशिप में रह रही थी

राजनाथ सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के समारोह की करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को कानपुर वायुसेना स्टेशन में पूर्व सैनिकों की रैली के साथ आठवें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के राष्ट्रव्यापी समारोह की अध्यक्षता करेंगे। श्री सिंह सर्वोच्च बलिदान और समर्पित सेवा के लिए युद्ध स्मारक पर देश के रणबांकुरों को पुष्पांजलि भी अर्पित श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस वर्ष तीनों सेनाओं द्वारा यह कार्यक्रम देश भर में 10 स्थानों, श्रीनगर, पठानकोट, दिल्ली, कानपुर, अलवर, जोधपुर, गुवाहाटी, मुंबई, सिकंदराबाद और कोच्चि में मनाया जा रहा है। सिकंदराबाद में कार्यक्रम की अध्यक्षता रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट करेंगे। दिल्ली में यह कार्यक्रम मानेकशॉ सेंटर में आयोजित किया जाएगा और इसमें वायुसेना प्रमुख और नौसेना प्रमुख शामिल होंगे। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों से अपने-अपने प्रदेशों में इस दिन को मनाने का आग्रह किया गया है।

राष्ट्रीय लक्ष्यों के लिए मिलती है आध्यात्मिक जगत के लोगों से ऊर्जाः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लक्ष्य सिद्ध करने के प्रयासों को आध्यात्मिक जगत के लोगों से ऊर्जा मिलती है। पीएम मोदी ने चारण समाज द्वारा पूज्य आई श्री सोनल मां के तीन दिवसीय जन्म शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में एक वीडियो संदेश में कहा कि आज जब भारत विकसित होने के लक्ष्य पर, आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है, तो आई श्री सोनल मां की प्रेरणा, हमें नई ऊर्जा देती है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति में चारण समाज की भी बड़ी भूमिका है।

यह महोत्सव इस समाज के आस्था के केंद्र मढड़ा धाम में आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री सोनल मां देश के लिए, चारण समाज के लिए, माता सरस्वती के सभी उपासकों के लिए महान योगदान की महान प्रतीक हैं। भागवत पुराण जैसे ग्रन्थों में चारण समाज को सीधे श्रीहरि की संतान कहा गया है। इस समाज पर मां सरस्वती का विशेष आशीर्वाद भी रहा है। इसीलिए, इस समाज में एक से एक विद्वानों ने परंपरा अविरत चलती रही है। श्री मोदी ने कहा कि सोनल मां के दिए गए 51 आदेश, चारण समाज के लिए दिशादर्शक और पथदर्शक हैं। चारण समाज को इसे याद रखना चाहिए और समाज में जागृति लाने का काम निरंतर जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि, सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए मढड़ा धाम में सतत सदाव्रत का यज्ञ भी चल रहा है। उन्होंने इस प्रयास की सराहना की और विश्वास जताया कि मढड़ा धाम राष्ट्र निर्माण के ऐसे अनगिनत अनुष्ठानों को गति देता रहेगा। चारण समाज के लोग मूलतः गुजरात-सौराष्ट्र क्षेत्र के निवासी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात और सौराष्ट्र की धरती महान संतों और विभूतियों की भूमि रही है। सौराष्ट्र की इस सनातन संत परंपरा में श्री सोनल मां आधुनिक युग के लिए प्रकाश स्तम्भ की तरह थीं। उनकी आध्यात्मिक ऊर्जा, उनकी मानवीय शिक्षायें, उनकी तपस्या, इससे उनके व्यक्तित्व में एक अद्भुत दैवीय आकर्षण पैदा होता था। उसकी अनुभूति आज भी जूनागढ़ और मढड़ा के सोनल धाम में की जा सकती है।

- पीएम चारण समाज के श्री सोनल मां के तीन दिवसीय कार्यक्रम में हुए शामिल

मोदी की ओर से ख्वाजा की बारगाह में पेश की गई चादर

अजमेर। पीएम मोदी की ओर से शनिवार को अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की बारगाह में मखमली चादर एवं अकीदत के फूल पेश किए गए। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक ने दरगाह शरीफ में आस्ताने पहुंच कर चादर पेश की। श्री मोदी ने चादर के साथ भेजे अपने संदेश में कहा कि आस्था, अध्यात्म एवं ज्ञान की पावन धरा भारत के संतों, पीरों एवं फकीरों ने अपने जीवन, आदर्शों तथा विचारों से जन-जन को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

दिल्ली में रहा सीजन का सबसे ठंडा दिन, पारा 3.4 डिग्री सेल्सियस

18 ट्रेनें लेट, यूपी में पहाड़ों जैसी सर्दी, पंजाब और हरियाणा में शीतलहर का अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई राज्यों में तेज सर्दी बनी हुई है। दिल्ली में शनिवार को इस सर्दी के मौसम की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई। मिनिमम टेम्परेचर गिरकर 3.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कोहरे की वजह से दिल्ली से चलने वाली या वहां पहुंचने वाली 18 ट्रेन एक से छह घंटे की देरी से चल रही हैं।

इधर, हरियाणा के हिसार के बालसमंद में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पारा 3.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा में कोहरे के साथ-साथ शीतलहर चलने और पाला पड़ने का अलर्ट है। शनिवार (13) जनवरी की सुबह देश के 18 राज्यों में कोहरा दिखा। इनमें हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, सिक्किम, ओडिशा, असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम और नागालैंड शामिल हैं। उत्तराखंड में 17-18 जनवरी को हल्की से तेज बारिश होने का अनुमान है और हिमाचल प्रदेश में भी 16 और 17 जनवरी को हल्की बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में शनिवार को तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया। इस वजह से झीलें, नदी-नाले और झरने तक जम गए हैं। अटल टनल के नजदीक लाहौल स्पीति के सिस्सू में झीलों पर भी ठोस बर्फ की परत जम गई। घाटी में समुद्र तल से 14 हजार फीट की ऊंचाई में चंद्रताल झील, 16 हजार फीट की ऊंचाई पर सूरज ताल, 13,700 फीट ऊंचाई पर डंखर लेक के साथ-साथ मनाली की पहाड़ियों में दौशेर, भुगु लेक भी जम गए। यूपी में पहाड़ों जैसी सर्दी का अहसास अभी बना रहेगा। उप्र में शनिवार को भी कोल्ड डे के साथ दिन में शीतलहर चली। इससे तापमान में गिरावट होगी। प्रदेश में सबसे ठंडा शहर कानपुर और सहारनपुर रहा। यहां पारा 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

- यूपी में कोल्ड-डे का अलर्ट, कानपुर और सहारनपुर 3 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडे रहे
- उत्तराखंड में 17-18 जनवरी को हल्की से तेज बारिश होने का अनुमान

ईडी ने की सरकारी कर्मचारी की 3.46 करोड़ की संपत्ति कुर्क

कोलकाता। ईडी ने पश्चिम बंगाल में एक सरकारी कर्मचारी की 3.46 करोड़ रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्ति कुर्क की है। यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत डाक विभाग के उप-डाकपाल लक्ष्मण हेम्ब्रम से संबंधित भूमि बैंक शेष के रूप में 3.46 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। ईडी लक्ष्मण हेम्ब्रम के खिलाफ भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी की जांच कर रही है। आरोपी खाताधारकों के जाली हस्ताक्षर करके सावधि जमा खातों को समय से पहले या अंतिम रूप से बंद करने का काम करता था और उन टीडी खातों की समय से पहले राशि या परिपक्वता आय को उसी खाता धारकों के बचत खातों में स्थानांतरित कर देता था।

मुंबई से गुवाहाटी जा रही फ्लाइट की बांग्लादेश में लैंडिंग

मुंबई/गुवाहाटी। मुंबई से गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की शनिवार को बांग्लादेश के ढाका में लैंडिंग कराई गई। गुवाहाटी में घने कोहरे के कारण फ्लाइट लैंड नहीं हो सकी और उसे डायवर्ट किया गया।

इस फ्लाइट में 178 पैसेंजर्स सवार थे। चूंकि डोमेस्टिक फ्लाइट होने के कारण सभी यात्री बिना पासपोर्ट के सफर कर रहे थे, इसलिए ढाका में उन्हें फ्लाइट से उतरने की इजाजत नहीं मिली। इसके कारण यात्रियों को 12 घंटे फ्लाइट के अंदर ही बैठना पड़ा। मुंबई से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 5319 शुक्रवार की रात 8:20 बजे उड़ाने भरने वाली थी। इसे रात 11:10 बजे गुवाहाटी पहुंचना था। हालांकि मुंबई से ही यह फ्लाइट 11.12 बजे चली थी। शनिवार सुबह 3.26 बजे तक इसे गुवाहाटी पहुंचना था, लेकिन कोहरे के कारण इसे डायवर्ट करना पड़ा। यह फ्लाइट सुबह 4 बजे ढाका पहुंची। वहां से सुबह 10:54 बजे रवाना हुई और 11:10 बजे गुवाहाटी पहुंची। इस फ्लाइट में कांग्रेस नेता सूरज सिंह ठाकुर सफर कर रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की जानकारी दी। उन्होंने शनिवार सुबह 6:56 बजे बताया कि मैं पिछले 9 घंटे से विमान में फंसा हूं।

केजरीवाल को चौथी बार ईडी का समन

नई दिल्ली। ईडी ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में चौथी बार समन भेजकर 18 जनवरी को पूछताछ के लिए हाजिर होने का निर्देश दिया।

'आप' संयोजक श्री केजरीवाल को नई दिल्ली में ईडी के मुख्यालय में बुलाया गया है। इससे पहले उन्हें एजेंसी की ओर से तीन जनवरी, 21 दिसम्बर और दो नवम्बर 2023 को एजेंसी के समक्ष हाजिर होने के लिए समन जारी किए गए थे। श्री केजरीवाल इन तीनों ही तिथियों पर बयान देने के लिए नहीं पहुंचे। श्री केजरीवाल का नाम ईडी की ओर से शराब घोटाला मामले में दाखिल आरोपपत्र में कई बार आया है। एजेंसी उन्हें जांच के सिलसिले में बराबर तलब कर रही है। ईडी का कहना है कि दिल्ली सरकार की 2021-22 की तथाकथित गड़बड़ियों वाली शराब नीति तैयार करने में श्री केजरीवाल भी संलिप्त थे। इस मामले के आपराधिक पक्ष की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो कर रहा है। दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव की रिपोर्ट पर उप राज्यपाल ने आबकारी नीति का मामला केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंपा है। इस मामले में अपराध की कमाई के शोधन के पहलू की जांच वित्त मंत्रालय के तहत आने वाली एजेंसी ईडी कर रही है। इस मामले में दिल्ली के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री और वित्त एवं आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया और आप के नेता एवं सांसद संजय सिंह न्यायिक हिरासत में जेल में है। आरोप है कि आबकारी नीति में कुछ कंपनियों को फायदा पहुंचाया गया और इससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

- 18 जनवरी को पूछताछ के लिए हाजिर होने का दिया निर्देश

पाकिस्तान में ब्रिटिश राजदूत पीओके गई, भारत ने जताया कड़ा विरोध

कहाः यह हमारी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन, जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा

नई दिल्ली। पाकिस्तान में मौजूद ब्रिटेन की राजदूत जेन मैरियट के पीओके दौरे का भारत ने विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का इस तरह उल्लंघन नहीं किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर हमेशा से भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा। इसके अलावा भारत ने देश में मौजूद ब्रिटिश हाई कमिश्नर के सामने भी विरोध जताया है। दरअसल, पाकिस्तान में ब्रिटेन की राजदूत जेन 10 जनवरी को पीओके के मीरपुर गई थीं।

यह दौरा उस वक्त हुआ जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लंदन में पीएम ऋषि सुनक सहित ब्रिटेन के दूसरे नेताओं से मुलाकात कर रहे थे। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, जेन पीओके जाने वालीं पहली महिला ब्रिटिश राजदूत हैं। पीओके यात्रा से जुड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए जेन ने लिखा कि मीरपुर से सलाम। ये ब्रिटेन और पाकिस्तान के लोगों के बीच आपसी संबंधों का केंद्र है। 70 फीसदी ब्रिटिश पाकिस्तानी जड़ें मीरपुर से हैं, जिससे हमारा साथ मिलकर काम करना प्रवासी हितों के लिए अहम हो गया है। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान में मौजूद अमेरिकी राजदूत डोनल ब्लोम ने भी पीओके के मुजफ्फराबाद का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने इसे पाकिस्तान के आजाद कश्मीर का हिस्सा बताया था। अमेरिकी राजदूत की यात्रा का भी भारत ने विरोध किया था। तब विदेश मंत्रालय ने कहा था कि हम उम्मीद करेंगे कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय हमारी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता और पीओके का सम्मान करेगा। हम इस पूरे क्षेत्र को भारत का अभिन्न अंग मानते हैं। इस पर भारत में अमेरिकी राजदूत ने कहा था कि पाकिस्तान में अमेरिकी राजदूत पर कुछ कहना मेरा काम नहीं है, लेकिन वह पहले भी इन जगहों पर जाते रहे हैं। इससे पहले अमेरिका की सांसद इल्हान उमर भी अप्रैल में पाकिस्तान दौरे पर गई थीं। इस दौरान उन्होंने पीओके की भी यात्रा की थी। इसकी भारत ने निंदा की थी। विदेश मंत्रालय के पूर्व प्रवक्ता अरिंदम बागची ने उस वक्त कहा था कि हमने देखा है कि अमेरिकी प्रतिनिधि इल्हान उमर ने जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से का दौरा किया, जिस पर फिलहाल पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। अगर ऐसी राजनेता अपने देश में संकीर्ण मानसिकता की राजनीति करें तो ठीक है, लेकिन उन्हें हमारी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन करने का कोई हक नहीं। यह दौरा निंदनीय है। हालांकि, बाद में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के काउंसलर डेरेक चॉलेट ने इस पर अमेरिका का रुख साफ किया था।

- भारत ने देश में मौजूद ब्रिटिश हाई कमिश्नर के सामने भी विरोध जताया
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के लंदन में होने के बावजूद राजदूत जेन 10 जनवरी को गई थीं पीओके के मीरपुर

अमेरिका में खालिस्तान को लेकर 28 को रेफरेंडम

भारत के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे आतंकी, बाइडन सरकार नहीं ले रही एक्शन

न्यूयॉर्क।

अमेरिकी में खालिस्तान के मुद्दे को हवा देने का काम अकेला सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) ही नहीं कर रहा है। अमेरिका में कई नए संगठन तेजी से सक्रिय हुए हैं।

वर्ल्ड सिख पार्लियामेंट (एसजेएफ) खालिस्तान समर्थक संगठन है जिसने न्यूयॉर्क में अपनी 5वीं आम सभा में अलग पंजाब की मांग को समर्थन की घोषणा की है। सिख यूथ फॉर अमेरिका भी एक नया संगठन है जो खालिस्तान को समर्थन करता है। इसके 200 से ज्यादा मेंबर हैं। अमेरिका में सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) का भारत विरोधी अभियान चरम पर है। एसजेएफ ने पंजाब को भारत से अलग देश बनाने के लिए 28 जनवरी को कैलिफोर्निया के सेन फ्रांसिस्को में खालिस्तान

एसजेएफ के प्रवक्ता ने कहा: 28 जनवरी को सैन फ्रांसिस्को में होनी है वोटिंग

रेफरेंडम कराने का ऐलान किया है। भारत के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे खालिस्तानियों को अमेरिका भी नहीं रोक रहा है। अमेरिका के द्वारा भारत पर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपों को लेकर पहले ही दोनों देशों के रिश्तों में तनाव है। इसी बीच, कैलिफोर्निया में हो रहे कथित रेफरेंडम को लेकर दोनों देशों के रिश्ते और बिगड़ सकते हैं। दरअसल, भारत ने 2019 में अलगाववाद का समर्थन करने के लिए सिख फॉर जस्टिस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था। एसजेएफ के प्रवक्ता का कहना है कि 28 जनवरी को सैन फ्रांसिस्को में वोटिंग होनी है।

इससे पहले, लंदन, जिनेवा और स्विडजरलैंड में 2021, इटली में 2022 में, टोरंटो और ब्रेम्पटन में 2022 में व ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न में 2023 में खालिस्तान के लिए रेफरेंडम आयोजित किया गया था। कैलिफोर्निया में 2.50 लाख से ज्यादा सिख रहते हैं। यहां सेन जोंस गुरुद्वारा, गुरुद्वारा फ्रेमोंट, अल सोब्रेंट, रोसविले और युवा सिटी जैसे कई गुरुद्वारे हैं। गुरुद्वारा फ्रेमोंट सबसे बड़ा है। कई गुरुद्वारों की प्रबंधन समितियों पर खालिस्तानी समर्थकों का कब्जा है।

नई दिल्ली। ठंडी और कोहरे भरी सर्दियों की सुबह के दौरान गणतंत्र दिवस परेड 2024 के लिए कर्तव्य पथ तैयार करते हुए।

अलेउतियन द्वीप समूह में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए

वाशिंगटन। अलेउतियन द्वीप समूह के एंड्रियानोफ द्वीप शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय समय के अनुसार शनिवार को तड़के 01:29 बजे महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र 140.5 किलोमीटर की गहराई में 51.30 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 178.72 डिग्री पश्चिमी देशांतर में था।

डाक्टर अग्रवाल डिजिटल हेल्थ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने स्पेन जाएंगे

दर्शन ब्यूरो

अहमदाबाद। स्पेन के बार्सिलोना शहर में आगामी 9 व 10 मई को आयोजित होने वाली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजिटल हेल्थ के लिए अहमदाबाद के डाक्टर संजय अग्रवाल को कॉन्फ्रेंस में आने का आमंत्रण दिया गया है। डाक्टर अग्रवाल ने बताया कि उन्हें इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन कमेटी की ओर से वक्ता के रूप में बुलाया जा रहा है। इसकी थीम एक्सप्लोरिंग द न्यू ट्रेंड एंड हॉरिजेंस ऑफ डिजिटल हेल्थ है। डाक्टर संजय अग्रवाल को इस कॉन्फ्रेंस में बुलाने पर देशभर के सामाजिक संगठनों और डाक्टरों के संगठन सहित आदि ने उन्हें बधाई दी है।

संक्षिप्त समाचार

सोमालिया तट से लापता अमेरिकी नौसेना के दो नाविक

वाशिंगटन। अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने कहा है कि अमेरिकी नौसेना के दो नाविक सोमालिया के तट से लापता हैं। सेंट्रल कमांड ने अपने बयान में कहा कि 11 जनवरी की शाम को सोमालिया के तट पर ऑपरेशन के दौरान दो अमेरिकी नौसेना नाविकों के समुद्र में लापता होने की सूचना मिली थी। दोनों नाविकों का पता लगाने के लिए खोज और बचाव अभियान फिलहाल जारी है। सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में अभियान पूरा होने तक और अधिक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। बयान में कहा गया है कि अभियान के तहत अमेरिका के पांचवे बेड़े (सी5एफ) को ऑपरेशन एरिया में तैनात किया गया है।

डब्ल्यूएचओ ने कोविड से खतरों की दी चेतावनी

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक वरिष्ठ विशेषज्ञ ने कहा है कि कोविड-19 वायरस सभी देशों में फैल रहा है, जो चिंता का विषय है। कोविड-19 से रोकथाम के लिए डब्ल्यूएचओ की अंतरिम निदेशक मारिया वैन केरखोव ने जेनेवा में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोविड-19 का वास्तविक प्रसार रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या से दो से 19 गुना अधिक है। उन्होंने कई अंगों को प्रभावित करने वाली कोविड बाद की स्थितियों पर चिंता व्यक्त जताई है। उन्होंने कहा कि कोविड संक्रमण से पहले से अब से मृतकों की संख्या में भारी कमी आई है, फिर भी 50 देशों से प्रति माह लगभग 10 हजार मौतें होती हैं। उन्होंने कोविड-19 जेएन1 संस्करण को लेकर चिंता व्यक्त की है।

नेपाल में बस के नदी में गिरने से 12 लोगों की मौत

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के डांग जिले में शुक्रवार की रात एक बस के पुल से नदी में गिर जाने से 12 लोगों की मौत हो गई। मुख्य जिला अधिकारी रामबंधु सुबेदी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना कल रात करीब 22:30 बजे उस समय हुई जब काठमांडू आ रही बस राप्ती नदी पर बने पुल की रेलिंग से टकराकर नदी में गिर गई। हादसे में 12 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 22 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों को बस को नदी से बाहर निकालने में लगभग चार घंटे लग गये। घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कोलंबिया में भूस्खलन से 18 की मौत, 35 घायल

बोगोटा। पश्चिमी कोलंबिया के चोको प्रांत में भूस्खलन के कारण कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गये। अल टिएम्पो समाचारपत्र ने स्थानीय आपातकालीन सेवा के हवाले से शनिवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक क्विब्दो और मेडेलिन शहरों के बीच सड़क पर कई भूस्खलन हुए। सड़क के पास एक घर भूस्खलन की चपेट में आ गया, जिससे वहां मौजूद 50 लोग मलबे में फंस गये। हादसे में दुर्घटना में घायल लोगों को एल कारमेन डी अट्राटो नगर पालिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान जारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने की इजरायल की कड़ी निंदा

गाजा के अस्पतालों में मानवीय सहायता रोकने पर यूएस ने जताई चिंता

जेनेवा/गाजा।

- एजेंसी के 21 अनुरोधों में से तीन मिशन को आंशिक रूप से दी मंजूरी
- गाजा में इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 23708 हुई
- वेस्ट बैंक में इजरायल ने तीन फलस्तीनी बंदूकधारियों को मार गिराया

इजरायल लगातार उत्तरी गाजा में मानवीय काफिलों को रोकने से यहां के अस्पतालों में जरूरी ईंधन और अन्य सहायता पहुंचाना मुश्किल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। उत्तर में सहायता मिशन की योजना बनाने के बाद, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने कहा कि उनके काफिलों को इजरायल की ओर से आगे बढ़ने से रोक दिया गया है। फलीस्तीनी क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र सहायता एजेंसी ओसीएचए के कार्यालय के प्रमुख एंड्रिया डी डोमेनिको ने कहा कि उत्तर में सहायता पहुंचाना लगभग मुश्किल होता जा रहा है।

उन्होंने कहा, हाल के दिनों में एजेंसी को 21 अनुरोधों में से तीन मिशनों को आंशिक रूप से मंजूरी मिल गई है। फलीस्तीनी क्षेत्रों में यूनिसेफ की विशेष प्रतिनिधि लूसिया एल्मी ने भी अफसोस जताया कि हमें पर्याप्त सहायता नहीं मिल सकती। निरीक्षण प्रक्रिया धीमी और अप्रत्याशित बनी हुई है और कुछ सामग्रियां जिनकी हमें सख्त जरूरत है, वे बिना किसी स्पष्ट औचित्य के प्रतिबंधित हैं। डोमेनिको ने कहा कि इजरायली सेना गाजा के अस्पतालों में ईंधन मुहैया नहीं कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमें अस्पतालों का समर्थन करने की इजाजत नहीं देने के लिए वे बहुत व्यवस्थित रहे हैं। कुछ ऐसा है

जो अमानवीयता के स्तर तक पहुंच रहा है और मेरे लिए समझ से परे है।ष संयुक्त राष्ट्र के विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि उन्होंने सात असफल प्रयासों के बाद आखिरकार गुरुवार को दो सप्ताह से अधिक समय में पहली बार अल शिफा अस्पताल पहुंचने में कामयाब रहा।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेबियस ने एक्स पर लिखा कि मिशन ने 9,300 लीटर ईंधन सहित बेहद जरूरी सहायता पहुंचाने की अनुमति दी है। प्रमुख टेड्रोस ने कहा कि अस्पताल में अब 60 चिकित्सा कर्मचारी हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत संरक्षित अस्पताल, सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से गाजा में इजरायली हमलों से बार-बार प्रभावित हुए हैं। गाजा के 36 अस्पतालों में से केवल 15 आंशिक रूप से काम कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने लंबे समय से उत्तर में बमुश्किल काम कर रहे कुछ अस्पतालों में भोजन, साफ पानी, दवा और ईंधन की कमी का सामना करने वाले निराशाजनक दृश्यों का वर्णन किया है जबकि अल शिफा में सेवाओं की आंशिक बहाली अच्छी खबर है। प्रमुख टेड्रोस ने कहा कि ईंधन की खपत बहुत अधिक है और चिकित्सा आपूर्ति की आवश्यकता बढ़ रही है। दूसरी ओर गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या बढ़कर 23,708 हो गई है।

गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना के हमले में 151 फलीस्तीनियों की मौत हो गई जबकि 248 अन्य घायल हुए हैं। मंत्रालय के मुताबिक गत सात अक्टूबर को इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से इजरायली हमलों के कारण 60,005 फलीस्तीनी घायल हुए हैं। काफी संख्या में पीड़ित अभी भी मलबे के नीचे हैं और एम्बुलेंस तथा नागरिक सुरक्षा दल उन तक नहीं पहुंच सकते हैं । प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इजरायली विमानों ने पहले मध्य गाजा पट्टी के दीर अल-बलाह शहर के पश्चिम में अल-अक्सा शहीद अस्पताल के पास एक आवासीय घर को निशाना बनाया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बीच गाजा पट्टी के दक्षिण में खान यूनिस और मध्य गाजा पट्टी में अल-मगाजी शरणार्थी शिविर में सशस्त्र झड़पें हुईं। इसी बीच इजराइल की सेना ने कहा है कि उसके सैनिकों ने कथित तौर पर वेस्ट बैंक की एक बस्ती में घुसकर गोलीबारी करने वाले तीन फलीस्तीनियों की गोली मारकर हत्या कर दी। सेना ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि तीन लोगों ने दक्षिणी कब्जे वाले वेस्ट बैंक में अडोरा की बस्ती में 'घुसपैठ' की और क्षेत्र में गश्त पर गए सैनिकों पर गोलियां चलाईं। इसके बाद सैनिकों ने संदिग्धों का पीछा करने के लिए क्षेत्र में व्यापक तलाश अभियान चलाया।

हमास के खिलाफ कार्रवाई जरूरी: इजरायल

तेल अवीव/द हेग। इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में इजरायल के खिलाफ नरसंहार मामले में दूसरे दिन सुनवाई हुई। यह केस साउथ अफ्रीका ने दायर किया है। इजरायल ने अपने बचाव में कहा- दुनिया के सामने एकतरफा तथ्य पेश किए जा रहे हैं, झूठ पेश किया जा रहा है। दूसरी तरफ, जर्मनी ने इजरायल का बचाव किया है। जर्मनी ने कहा-अगर कोई आपके देश में घुसकर बार-बार हमला करेगा तो उसका जवाब देना जरूरी हो जाता है। हमास ने इजरायल में हजारों लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। नीदरलैंड के द हेग में आईसीजी की सुनवाई के दौरान शुक्रवार को इजरायली पक्ष ने दलीलें पेश कीं। इजरायल के लीगल एडवाइजर ताल बेकर ने कहा-हम एक ऐसे दौर में रह रहे हैं, जहां शब्दों की अहमियत कम होती जा रही है। सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया जा रहा है। कुछ लोगों ने इस घटना का गलत फायदा उठा रहे हैं। साउथ अफ्रीका ने भी दुनिया के सामने सिर्फ झूठ पेश किया है। बेकर ने कहा-साउथ अफ्रीका ने जानबूझकर सच्चाई को पेश करने से इनकार किया है। दुनिया को कानून के जरिए गुमराह करने की

आईसीजी में कहा: दुनिया के सामने झूठ पेश किया जा रहा जर्मनी बातचीत के पक्ष में

कोशिश की जा रही है। 7 अक्टूबर को जो कुछ हमास ने इजरायल में घुसकर किया, क्या उसे साउथ अफ्रीका सही ठहराने की कोशिश कर रहा है। ऐसी कई ताकतें हैं जो इजरायल के खिलाफ साजिश रच रही हैं और इसके लिए कानून और मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। साउथ अफ्रीका के इजरायल पर आरोपों के खिलाफ जर्मनी ने भी आवाज उठाई है। जर्मन सरकार ने साफ कर दिया है कि इजरायल पर लगाए गए आरोप पूरी तरह गलत हैं और इनके खिलाफ वो भी सबूत पेश करेगा। जर्मन सरकार के स्पोक्सपर्सन स्टीफन हेबेसट्रेट ने कहा- इजरायल के खिलाफ 7 अक्टूबर को जो कुछ हुआ, उसकी बात क्यों नहीं की जा रही? इस बार जंग का आगाज किसने किया? क्या अगर आपके देश पर हमला होता है, महिलाओं से रेप होता है, बच्चों को किडनैप किया जाता है तो आप चुप बैठ जाएंगे? साउथ अफ्रीका को आरोप लगाने से पहले यह बातें सोच लेनी चाहिए थीं।

अमेरिका ने फिर किया यमन में हूतियों पर हमला

सना। अमेरिका ने लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी यमन में हूतियों पर हमला किया है। इस दौरान उनकी रडार फैसेलिटी को निशाना बनाया गया।

अमेरिकी वॉरशिप यूएस कार्नी ने यमन के समय के मुताबिक, सुबह करीब 3:45 बजे टॉमहॉक मिसाइल से अटैक किया। हूतियों के मीडिया हाउस अल-मसीराह ने कहा है कि अमेरिका ने यमन की राजधानी सना में कई एयरस्ट्राइक्स की हैं। बीबीसी के मुताबिक, अमेरिका ने कहा है कि यह रडार साइट लाल सागर में जहाजों के लिए खतरा थी। यह हमला 12 जनवरी के स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन का फॉलो-अप था। इसका मकसद समुद्र में हूतियों के हमला करने की क्षमता को कम करना है। इससे पहले शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए व्हाइट हाउस प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा था-हम जो भी कर रहे हैं, उसका

टॉमहॉक मिसाइल से हूतियों की रडार साइट को निशाना बनाया, विरोध में यमन के लाखों लोग सड़कों पर

मकसद तनाव बढ़ाना नहीं, बल्कि इसे कम करना है। दूसरी तरफ, अमेरिका के हमले का विरोध के लिए सना में लाखों लोगों ने प्रदर्शन किया। अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने हमले की पुष्टि की। हालांकि, इस दौरान हुए नुकसान को लेकर फिलहाल जानकारी सामने नहीं आई है। सेंट्रल कमांड ने कहा- 19 नवम्बर 2023 के बाद से हूती विद्रोहियों ने 28 बार लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों पर हमला करने और उन्हें परेशान करने की कोशिश की है। इस दौरान बैलिस्टिक मिसाइलों और क्रूज मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया है। अमेरिका ने कहा कि इस हमले का ऑपरेशन प्रॉस्पेरेटी गार्जियन से कोई लेना देना हीं है।

ताइवान में विलियम लाई ने जीता राष्ट्रपति चुनाव

चीन ने खतरनाक अलगाववादी कहा था, पार्टी समर्थक बोले-ड्रैगन की धमकियों से नहीं डरेंगे

न्यू ताइपे। ताइवान में रूलिंग पार्टी के नेता और मौजूदा उपराष्ट्रपति विलियम लाई चिंग-ते ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। यह वही नेता हैं, जिन्हें मतदान से पहले चीन ने खतरनाक अलगाववादी कहा था। चीन ने मतदाताओं को चेतावनी दी थी कि यदि वे सैन्य संघर्ष से बचना चाहते हैं, तो सही विकल्प चुनें।

दरअसल, उप राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ताइवान की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के राष्ट्रपति पद के दावेदार थे। बीबीसी के मुताबिक, चुनाव नतीजे सामने आने के बाद डीपीपी पार्टी के समर्थकों ने कहा- इलेक्शन रिजल्ट चीन को संदेश है कि हम अपने नेताओं को चुनेंगे और हम आपकी धमकी के आगे नहीं झुकेंगे। इससे पहले ताइवान के समय के मुताबिक लोगों ने सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक वोट दिए। ताइवान में करीब 70 प्रतिशत मतदाताओं ने वोटिंग की। चुनाव के लिए देश में करीब 18 हजार पोलिंग स्टेशन बनाए गए थे। वहीं, न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, वोटिंग के दौरान ताइवान के हवाई क्षेत्र में चीन के 2 रहस्यमई गुब्बारे और फाइटर जेट को उड़ान भरते देखा गया था। ताइवान के चुनाव में विपक्ष

इससे पहले ताइवान के समय के मुताबिक लोगों ने सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक वोट दिए

की कुओमिनतांग पार्टी (केएमटी) ने होउ यू इह पर अपना दाव खेला था। केएमटी वही पार्टी है जिसकी सरकार चीन के कम्युनिस्टों से गृह युद्ध में हारकर ताइवान द्वीप पर आ बसी थी। 66 साल के होऊ यू इह राजनीति में आने से पहले पुलिस फोर्स के हेड रह चुके हैं। वो फिलहाल न्यू ताइपे के मेयर हैं। उनका वादा है कि वो सत्ता में आने के बाद देश की सुरक्षा को मजबूत करेंगे और चीन से फिर से बातचीत शुरू कर रिश्ते सुधारेंगे। ताइवान चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए तीसरे अहम दावेदार को वेन जे हैं। उन्होंने 2019 में ताइवान पीपल्स पार्टी बनाई थी। को चीन के मामले में बीच का रास्ता अपनाने के समर्थक हैं। चुनावी कैंपेन में वो खुद को ऐसे कैंडिडेट के तौर पर पेश कर रहे थे जो चीन और अमेरिका दोनों को स्वीकार होगा। 1995 की बात है, ताइवान के राष्ट्रपति ली तेंग को अमेरिका की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से उनके देश में लोकतंत्र को लेकर भाषण देने का न्योता मिला था। ली ने इसी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की थी। उन्होंने ठान लिया था कि वो वहां जाकर भाषण जरूर देंगे। हालांकि, चीन को ये किसी सूरत में मंजूर नहीं की ताइवान का कोई नेता अमेरिका का दौरा करे। ऐसे में तय था कि ली के अमेरिका जाकर भाषण देने को बीजिंग बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा। 9-10 जून 1995 को ली अमेरिका गए और वहां ताइवान को लेकर भाषण दिया। इससे चिढ़ कर चीन ने उन्होंने गद्दार घोषित कर दिया, जो चीन को 2 टुकड़ों में बांटना चाहता है। दरअसल, चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। अगले साल 1996 में ताइवान में चुनाव होने वाले थे। चीन नहीं चाहता था कि ली फिर ताइवान के राष्ट्रपति चुने जाएं।

अमेरिका-चीन ने ताइवान समेत मुद्दों पर की चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य पर स्थिरता समेत अन्य द्विपक्षीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने बयान में कहा कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और चीन के अंतर्राष्ट्रीय संपर्क विभाग के मंत्री लियू जियानचाओ के बीच शनिवार को ताइवान में होने वाले चुनाव से पहले यह बैठक हुई। उन्होंने बताया कि ब्लिंकन ने ताइवान जलडमरूमध्य और दक्षिण चीन सागर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व को दोहराया। उन्होंने कहा कि ब्लिंकन और जियानचाओं के बीच संभावित सहयोग के क्षेत्रों और मतभेद के क्षेत्रों पर भी रचनात्मक चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने अमेरिका और चीन के बीच संचार के खुले चैनल बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला तथा यूक्रेन, उत्तर कोरिया और पश्चिम एशिया से संबंधित मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

यूक्रेन को दिए अमेरिकी हथियार लापता

पेंटागन के ऑडिट में खुलासा, रक्षा मंत्रालय ने अपने ही विभाग के ऑडिट को गलत ठहराया

वाशिंगटन। रूस से जंग लड़ने के लिए यूक्रेन की मदद कर रहे अमेरिका को नहीं पता की उनकी तरफ से दिए गए 1 बिलियन डॉलर यानी 8 हजार करोड़ रुपए के हथियार कहां हैं। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन की ऑडिट रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। पेंटागन के इंस्पेक्टर जनरल के मुताबिक यूक्रेन को भेजे गए 8 हजार करोड़ रुपए के हथियारों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला है।

शक जताया गया है कि या तो एक बिलियन डॉलर के हथियारों को कहीं और भेज दिया गया है या उनकी लूट हुई है। डिफेंस डिपार्टमेंट के ऑफिस ने गुरुवार को दिखाया कि यूक्रेन को दी गई 1.7 बिलियन डॉलर की मदद से 59 प्रतिशत यानी लगभग 1 बिलियन डॉलर का कोई ब्योरा ही नहीं है। ये रिपोर्ट उस वक्त आई है जब अमेरिका

इस बात का कोई सबूत नहीं है कि हथियारों को कहीं और भेजा गया: पैट्रिक

की रिपब्लिकन पार्टी यूक्रेन और इजराइल को दी जाने वाली 105 बिलियन डॉलर की मदद को रोके हुए है। अमेरिका के डिफेंस डिपार्टमेंट के प्रेस सेक्रेटरी ब्रिगेडियर जनरल पैट्रिक राइडर ने अपने ही रक्षा विभाग के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि हथियारों को कहीं और भेजा गया। हमने हथियारों को यूक्रेन में तैनात और उनका इस्तेमाल होते हुए देखा है। पैट्रिक राइडर ने हथियारों की जानकारी नहीं होने को रूस का प्रोपोगैंडा बताया है। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका की एम 4 राइफल्स का इस्तेमाल हमास और जम्मू कश्मीर में आतंकी कर रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस ने अब तक नाटो और यूक्रेन को 100 बिलियन डॉलर की मदद दी है। इसमें से 75 बिलियन डॉलर की मदद यूक्रेन को गई है। अमेरिका ने यूक्रेन को एंटी टैंक मिसाइल, जमीन से जमीन पर वार करने वाली मिसाइलें, कामिकाजे ड्रोन, आर्मर्ड व्हीकल जैसे दर्जनों हथियार दिए हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रेस सेक्रेटरी जनरल पैट राइडर ने अपने ही विभाग के ऑडिट को गलत ठहराया है।

चीन में कोयला खदान में विस्फोट, आठ लोगों की मौत, आठ लापता

झेंगझोऊ। चीन में हेनान प्रांत के पिगडिगशान स्थित एक कोयला खदान में शुक्रवार को अपराह्न में हुई दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और आठ लोग लापता हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार सुबह यह जानकारी दी। स्थानीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, स्थानीय समय के शनिवार को अपराह्न 1:00 बजे तक खदान में बचे 45 लोगों में से आठ की मौत हो चुकी थी और आठ लापता थे। बाकी सभी लोग सुरक्षित हैं। एजेंसी ने बताया कि हादसा शुक्रवार को अपराह्न 2:55 बजे हुआ। पिगडिगशान तियानान कोल माइनिंग कंपनी लिमिटेड की कोयला खदान में घटित हुई घटना की प्रारंभिक जांच में शुक्रवार को पता चला कि हादसा कोयला और गैस विस्फोट के कारण हुआ था। दुर्घटना के समय खदान में कुल 425 लोग काम कर रहे थे।

पेरू की एलियन ममी हड्डियों की बनी गुड़िया निकली

लिमा।

पेरू के एयरपोर्ट पर मिले कथित एलियन के कंकाल असल में इंसानों और जानवरों के अंगों से बनी डॉल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, पेरू की राजधानी लिमा में शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कई विशेषज्ञों ने यह दावा किया है।

उन्होंने कहा है कि ये शव किसी बाहरी दुनिया के नहीं बल्कि जानवरों की हड्डियों से बने हैं। इन्हें सिंथेटिक गोंद की मदद से चिपकाया गया है। पेरू इंस्टीट्यूट फॉर लीगल मेडिसिन एंड फॉरेंसिक साइंस के प्रोफेसर फ्लावियो एस्ट्राडा ने कहा-कंकालों के एलियन होने की बात सिर्फ एक कहानी है। कंकालों के तीन उंगली वाले हाथ की भी जांच की गई है। इसकी हड्डियां पेरू के ही नाज्का क्षेत्र से ली गई हैं। पिछले साल सितम्बर में मेक्सिको की संसद में भी

दावा

इंसान-जानवरों के अंगों को गोंद से चिपकाया, इनका दूसरी दुनिया से ताल्लुक नहीं

कुछ कंकाल दिखाए गए थे। इस दौरान इनके एलियन होने का दावा किया गया था। वैज्ञानिकों ने एलियन की हड्डियों और उसके शरीर की बनावट पर स्टडी के बाद रिपोर्ट पेश की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने इन दोनों मामलों में कनेक्शन को लेकर फिलहाल कुछ नहीं कहा है। हालांकि, मेक्सिको की संसद में दिखाए गई ममीज के भी एलियन नहीं होने की बात कही गई थी। दरअसल, पिछले साल अक्टूबर में पेरू के एयरपोर्ट के कुरियर डिपार्टमेंट में एक कार्डबोर्ड बॉक्स के अंदर 2 कंकाल मिले थे। कई मीडिया रिपोर्ट्स में इनके एलियन होने का दावा किया गया था। इनमें से एक कंकाल ने पेरू का पारंपरिक परिधान पहन रखा था। वहीं सितम्बर में मेक्सिको की संसद में भी कथित एलियन के शव दिखाए गए थे। मेक्सिकन जर्नलिस्ट और यूफोलॉजिस्ट जेम मोसान ने दावा किया था कि इन कंकालों का इंसान के इवोल्यूशन से कोई कनेक्शन नहीं है। पेरू की राजधानी लिमा के एयरपोर्ट पर एक कार्डबोर्ड बॉक्स के अंदर 2 कथित एलियन ममी मिली थीं। मेक्सिको की संसद में पहली बार एलियन की ममी पेश करते हुए मोसान ने कहा था-ये शव पेरू की एक खदान से मिले थे, जो करीब 1 हजार साल पुराने हैं।